Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-303

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : तृतीय
गद्य, पद्य, काव्य एवं व्याकरण

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीघ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. दशकुमारचरितनामकग्रन्थस्य अष्टमोच्छ्वासस्य सारांशः प्रतिपाद्यताम्।
2. रलोव्युपधाद् हलादेः संश्च इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्येयम्।
3. कारकाणि कति सन्ति? तेषां परिचयः प्रस्तूयताम्।
4. अर्जुनरावणीयस्य षष्ठसर्गसय प्रतिपाद्यविषयः समीक्ष्यताम्।
5. अकथितं च इति सूत्रं सिद्धान्तकौमुद्यनुसारेण सोदाहरणं व्याख्यायताम्।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. नित्यवीप्सयोः इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायताम्।
2. ध्रुवमपायेऽपादानम् इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्येयम्।
3. 'धिक् त्वां च यातासि' सखी प्रियार्थम् इति पद्यं प्रपूय व्याकरणसम्बद्धा टिप्पणी कार्या।
4. अवनेरवमुच्य पूर्वकायम् इति पद्यं प्रपूय व्याकरणसम्बद्धा टिप्पणी विधेया।
5. स्त्रियां क्तिन् इति सूत्रं सोदाहरण व्याख्येयम्।
6. जटाभिस्तापसः इति प्रयोगस्य साधुत्वं ससूत्रं दर्श्यताम्।
7. "सोऽश्रुगद्गदमगदत् - 'श्रूयतां महाभाग! विदर्भो नाम जनपदः तस्मिन् भोजवंशभूषणम्, अंशावतार इव धर्मस्य, अतिसत्त्वः, सत्यवाद, वदान्यः, विनीतः, विनेता प्रजानाम् ...." - इत्यस्य सन्दर्भोऽभिप्रायश्च प्रकाश्यताम्।

----------x----------